छत्तीसगढ़ शिक्षक पात्रता परीक्षा 2016 हेतु अनुदेश

खण्ड–अ

1. पृष्ठभूमिः

निःशुल्क और अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम, 2009 की धारा 23 की उप धारा (1) के प्रावधानों के अनुसार कक्षा एक से आठ में अध्यापक के रूप में नियुक्ति की पात्रता हेतु राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद् द्वारा निर्धारित न्यूनतम योग्यताओं में अकादमिक एवं व्यावसायिक योग्यता के साथ–साथ प्रतिभागियों को शिक्षक पात्रता परीक्षा उत्तीर्ण करना अनिवार्य घोषित किया गया है। इसी आधार पर राज्य में छत्तीसगढ़ शिक्षक पात्रता परीक्षा (CGTET) का तृतीय बार आयोजन किया जा रहा है।

2. छत्तीसगढ़ शिक्षक पात्रता परीक्षा संबंधी प्रावधान :–

i. यह परीक्षा शिक्षकों की नियुक्ति के लिए अर्हता मात्र होगी। इसे शिक्षकीय पद पर नियुक्ति के लिए आदेश नहीं माना जा सकता है ।

ii. निःशुल्क और अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 की कण्डिका 2 (द) में उल्लेखित सभी शालाओं में शिक्षकों की नियुक्ति के लिए यह अनिवार्य अर्हता होगी ।

iii. प्राथमिक और उच्च प्राथमिक के लिए अलग–अलग परीक्षा आयेजित होगी ।

iv. इस परीक्षा में पात्रता हेतु अभ्यर्थियों को न्यूनतम 60ः अंक पाना आवश्यक होगा।

v. प्रचलित नियमानुसार अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछडा वर्ग (गैर क्रीमी लेयर) तथा दिव्यांग अभ्यर्थियों को इस परीक्षा में पात्रता हेतु 50ः न्यूनतम अंक लाना आवश्यक होगा। सभी श्रेणी के दिव्यांग अभ्यर्थियों को आवेदन शुल्क एवं परीक्षा शुल्क में छूट की पात्रता होगी। (छ.ग.शासन स्कूल शिक्षा विभाग का आदेश क्रमांक एफ14–95/2011/20–तीन दिनांक 14/12/2011)

vi. इस परीक्षा में प्राप्त अंक शिक्षक चयन के लिए अधिभार के रूप में गणना के लिए उपयोग में लाए जा सकेंगे। अधिभार का निर्धारण नियुक्तिकर्ता द्वारा किया जाएगा।

vii. एक बार परीक्षा उत्तीर्ण अभ्यर्थी के लिए यह वैधता अधिकतम सात वर्षों के लिए रहेगी।

viii. सफल घोषित उम्मीदवार अपने अंक सुधार हेतु आगामी परीक्षा में शामिल हो सकता है।

ix. परीक्षा में न्यूनतम निर्धारित अंक या उससे अधिक अंक प्राप्त करने की स्थिति में एक पात्रता प्रमाणपत्र जारी किया जाएगा जिसे नियुक्ति के समय प्रस्तुत करना आवश्यक होगा।

3. छत्तीसगढ़ शिक्षक पात्रता परीक्षा में शामिल होने हेतु न्यूनतम अर्हताएँ :–

(i) प्राथमिक और उच्च प्राथमिक स्तर पर अध्यापन हेतु अलग–अलग शिक्षक पात्रता परीक्षाएँ आयेजित होंगी। इन परीक्षाओं के लिए न्यूनतम अर्हता इस प्रकार हैंः–

(1) एक से पाँच तक की कक्षाओं में अध्यापन हेतु

(क) न्यूनतम 50ः अंकों के साथ उच्चतर माध्यमिक (या इसके समकक्ष) एवं प्रारंभिक शिक्षा में द्विवर्षीय डिप्लोमा (चाहे उसे कोई भी नाम दिया गया हो) के अंतिम वर्ष में सम्मिलित होने वाले अथवा उत्तीर्ण

अथवा

न्यूनतम 45ः अंकों के साथ उच्चतर माध्यमिक (या इसके समकक्ष) एवं प्रारंभिक शिक्षा शास्त्र में द्विवर्षीय डिप्लोमा (चाहे जिस किसी नाम से जाना जाता हो) जो राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद् (मान्यता, मानदण्ड और क्रिया विधि) विनियम, 2002 के अनुसार हो, के अंतिम वर्ष में सम्मिलित होने वाले अथवा उत्तीर्ण

अथवा

न्यूनतम 50ः अंकों के साथ उच्चतर माध्यमिक (या इसके समकक्ष) एवं 4 वर्षीय प्रारंभिक शिक्षा शास्त्र में स्नातक (बी.एल.एड.) के अंतिम वर्ष में सम्मिलित होने वाले अथवा उत्तीर्ण

अथवा

न्यूनतम 50ः अंकों के साथ उच्चतर माध्यमिक (या इसके समकक्ष) तथा शिक्षा शास्त्र (विशेष शिक्षा) में द्विवर्षीय डिप्लोमा के अंतिम वर्ष में सम्मिलित होने वाले अथवा उत्तीर्ण

अथवा

स्नातक तथा प्रारंभिक शिक्षा में द्विवर्षीय डिप्लोमा (चाहे जिस किसी नाम से जाना जाता हो) के अंतिम वर्ष में सम्मिलित होने वाले अथवा उत्तीर्ण

(2) **कक्षा छः से आठ तक की कक्षाओं में अध्यापन हेतु ः–**

(क) स्नातक और प्रारंभिक शिक्षा में द्विवर्षीय डिप्लोमा (चाहे जिस किसी नाम से जाना जाता हो) के अंतिम वर्ष में सम्मिलित होने वाले अथवा उत्तीर्ण

अथवा

न्यूनतम 50ः अंकों के साथ स्नातक एवं शिक्षा शास्त्र में एकवर्षीय स्नातक (बी.एड.)

अथवा

न्यूनतम 45ः अंकों के साथ स्नातक एवं शिक्षा शास्त्र में एकवर्षीय स्नातक (बी.एड.) जो इस संबंध में समय–समय पर जारी किए गए राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद् (मान्यता, मानदंड तथा क्रियाविधि) विनियमों के अनुसार प्राप्त किया गया हो

अथवा

न्यूनतम 50ः अंकों के साथ उच्चतर माध्यमिक (अथवा इसके समकक्ष) एवं 4 वर्षीय प्रारंभिक शिक्षा शास्त्र में स्नातक (बी.एल.एड) के अंतिम वर्ष में सम्मिलित होने वाले अथवा उत्तीर्ण

अथवा

न्यूनतम 50ः अंकों के साथ उच्चतर माध्यमिक (अथवा इसके समकक्ष) एवं 4 वर्षीय बी.ए./बी.एस.सी.एड. या बी.ए.एड./बी.एस.सी.एड. के अंतिम वर्ष में सम्मिलित होने वाले अथवा उत्तीर्ण

अथवा

न्यूनतम 50ः अंकों के साथ स्नातक तथा एकवर्षीय बी.एड.(विशेष शिक्षा)

नोटः–

(अ) आरक्षित श्रेणियों जैसे अ.जा./अनु.ज.जा/अ.पि.व.(गैर क्रीमी लेयर)/विशेष रूप से दिव्यांग आदि के अभ्यर्थियों को अर्हक अंकों में 5ः अंकों तक की छूट दी जाएगी।

(आ) **अध्यापक शिक्षा शास्त्र में डिप्लोमा/डिग्री पाठ्यक्रम :** इस अधिसूचना के संदर्भ में केवल राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद् (एनसीटीई) द्वारा मान्यता प्राप्त अध्यापक शिक्षा शास्त्र में डिप्लोमा/डिग्री पाठ्यक्रम मान्य होगा। शिक्षाशास्त्र में डिप्लोमा (विशेष शिक्षा) और बीएड (विशेष शिक्षा) के लिए केवल भारतीय पुनर्वास परिषद् (रिहैबिलिटेशन काउंसिल ऑफ इंडिया) द्वारा मान्यता प्राप्त पाठ्यक्रम मान्य होगा।

(इ) **विशेष अनिवार्य प्रशिक्षण प्राप्त करना :** वह व्यक्ति जिसके पास डी.एड (विशेष शिक्षा)या बी.एड.(विशेष शिक्षा) की योग्यता है,उसे नियुक्ति के बाद प्रारंभिक शिक्षा

शास्त्र में एनसीटीई द्वारा मान्यता प्राप्त छः माह का विशेष प्रशिक्षण प्राप्त करना आवश्यक होगा।

(ई) ऊपर निर्दिष्ट न्यूनतम योग्यताएं भाषा, सामाजिक अध्ययन/सामाजिक विज्ञान, गणित, विज्ञान इत्यादि के शिक्षकों के लिए लागू हैं। शारीरिक शिक्षा के शिक्षकों के संबंध में एनसीटीई विनियम, दिनांक 3 नवम्बर 2001 (समय–समय पर यथासंशोधित) में उल्लिखित शारीरिक शिक्षा शिक्षकों के लिए न्यूनतम योग्यता मानदण्ड लागू होंगे। कला शिक्षा, शिल्प शिक्षा, गृह विज्ञान, कार्य शिक्षा इत्यादि के शिक्षकों के लिए राज्य सरकार और अन्य विद्यालय प्रबंधनों द्वारा निर्धारित वर्तमान पात्रता मानदण्ड तब तक लागू रहेंगे जब तक एनसीटीई ऐसे शिक्षकों के संबंध में न्यूनतम योग्यता निर्धारित करती है।

(उ) एनसीटीई अधिसूचना दिनांक 29 जुलाई, 2011 में वर्णित किसी भी अध्यापक शिक्षा पाठ्यक्रम (एनसीटीई अथवा आरसीआई द्वारा मान्यता प्राप्त, जैसा भी मामला हो) को करने वाला व्यक्ति सीजीटीईटी में शामिल होने के पात्र होगा।

(ऊ) ऐसा अभ्यर्थी जिसके पास उपर्युक्त योग्यता नहीं होगी, सी.जी.टी.ई.टी. में शामिल होने के लिए पात्र नहीं होगा।

(ए) अभ्यर्थी को आवेदन करने से पहले अपनी योग्यता से पूर्णतया संतुष्ट होना चाहिए और यदि वह दिए गए योग्यता मानदण्ड के अनुसार आवेदन के लिए योग्य नहीं है तो इसके लिए वह स्वयं व्यक्तिगत रूप से जिम्मेदार होगा । इस ओर ध्यान दिया जाए कि यदि किसी अभ्यर्थी को सी.जी.टी.ई.टी में बैठने की अनुमति दे दी गई है तो इसका यह अर्थ नहीं लिया जाए कि अभ्यर्थी की पात्रता प्रमाणित हो गई है। इससे अभ्यर्थी को नियुक्ति के लिए कोई अधिकार नहीं मिलता है। पात्रता संबंधित भर्ती एजेन्सी/नियोक्ता प्राधिकारी द्वारा अंतिम रूप से प्रमाणित की जाएगी।

खंड ब

छत्तीसगढ़ शिक्षक पात्रता परीक्षा हेतु संरचना और विषयवस्तु :–

1. शिक्षक पात्रता परीक्षा में पूछे जाने वाले प्रश्न बहुविकल्पीय होंगे और प्रत्येक प्रश्न के लिए चार विकल्प दिए जाएंगे ।

2. प्रत्येक परीक्षा दो घंटे तीस मिनट की अवधि की होगी जिसमें कुल 150 प्रश्न पूछे जाएंगे । प्रत्येक प्रश्न एक अंक का होगा । गलत उत्तरों पर नेगेटिव अंक का प्रावधान नहीं होगा ।

3. प्रथम पेपर ऐसे व्यक्ति के लिए होगा जो कक्षा 1 से 5 तक के लिए शिक्षक बनना चाहता है। द्वितीय पेपर ऐसे व्यक्ति के लिए होगा जो कक्षा 6 से 8 तक के लिए शिक्षक बनना चाहता है।

नोटः— ऐसा व्यक्ति जो दोनों स्तर (कक्षा 1 से 5 और कक्षा 6 से 8 तक) के लिए शिक्षक बनना चाहता है, को दोनों पेपरों (प्रथम एवं द्वितीय) में बैठना होगा।

4. सभी प्रश्न दो भाषाओं (हिंदी और अंग्रेजी) में पूछे जाएंगे ।

5. प्रथम भाषा हिन्दी और द्वितीय भाषा अंग्रेजी होगी ।

6. दोनों पेपर के लिए निर्धारित विषय एवं अंक इस प्रकार हैंः—

प्रथम पेपर (कक्षा एक से पाँच तक अध्यापन —पात्रता हेतु) सभी अनिवार्य

परीक्षा की अवधि 2:30 घंटा

1.बाल विकास एवं शिक्षाशास्त्र	30 बहु—विकल्पीय प्रश्न	30 अंक
2.भाषा —1(हिन्दी)	30 बहु—विकल्पीय प्रश्न	30 अंक
3.भाषा — 2 (अंग्रेजी)	30 बहु—विकल्पीय प्रश्न	30 अंक
4.गणित	30 बहु—विकल्पीय प्रश्न	30 अंक
5.पर्यावरण अध्ययन	30 बहु—विकल्पीय प्रश्न	30 अंक
कुल —	**150 बहु—विकल्पीय प्रश्न**	**150 अंक**

द्वितीय पेपर (कक्षा छः से आठ तक अध्यापन–पात्रता हेतु) सभी अनिवार्य

परीक्षा की अवधि 2:30 घंटा

1.बाल विकास एवं शिक्षा शास्त्र	30 बहु–विकल्पीय प्रश्न	30 अंक
2.भाषा – 1 (हिन्दी)	30 बहु–विकल्पीय प्रश्न	30 अंक
3.भाषा – 2 (अंग्रेजी)	30 बहु–विकल्पीय प्रश्न	30 अंक
विषय आधारित परीक्षा (इनमें से कोई एक)		
4.गणित एवं विज्ञान विषय (गणित और विज्ञान शिक्षक के लिए)	60 बहु–विकल्पीय प्रश्न	60 अंक
5.सामाजिक अध्ययन विषय (सामाजिक अध्ययन शिक्षक के लिए)	60 बहु–विकल्पीय प्रश्न	60 अंक
’अन्य कोई विषय शिक्षक हेतु	4 या 5 से कोई भी	60 अंक
कुल –	150 बहु–विकल्पीय प्रश्न	150 अंक

प्रश्न–पत्र की प्रकृति एवं स्तर

प्रथम पेपर (कक्षा एक से पाँच तक अध्यापन हेतु)

1.बाल विकास एवं शिक्षाशास्त्र

इस विषय से संबंधित प्रश्न 6 से 11 आयु वर्ग के बच्चों के शैक्षिक मनोविज्ञान और उनके सीखने एवं सिखाने की प्रक्रिया आदि की जानकारी पर आधारित होंगे। इस विषय की तैयारी करते समय बच्चों की व्यक्तिगत भिन्नताओं के बारे में समझ और उनकी आवश्यकताओं के आधार पर शिक्षण–अधिगम प्रक्रियाओं का निर्धारण कर पाना, कक्षा में सीखने की प्रक्रिया को सफल बनाने हेतु एक बेहतर सुविधादाता के रूप में शिक्षक की भूमिका और विभिन्न प्रकार के कक्षागत अंतःक्रियाओं की जानकारी एवं आधुनिक शिक्षण प्रविधियों, तकनीकों से संबंधित प्रश्न पूछे जाएंगे ।

2. भाषा – 1 (हिन्दी)

इस प्रश्नपत्र के माध्यम से शिक्षकों की भाषाई दक्षता, समझ एवं संप्रेषण कौशल के साथ–साथ दैनिक जीवन में भाषा के उपयोग का परीक्षण किया जा सकेगा। विभिन्न विषयों के अध्यापन में उस भाषा की मूलभूत जानकारी होना आवश्यक है जिसको पढ़ाने के माध्यम

के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा है। इस दृष्टिकोण से इस विषय को अनिवार्य विषय के रूप में इस परीक्षा में रखा गया है।

3. भाषा –2 (अंग्रेजी)

इस प्रश्नपत्र के माध्यम से शिक्षकों की अंग्रेजी में भाषाई कौशल, समझ एवं संप्रेषण कौशल से संबंधित जानकारियों पर आधारित प्रश्न पूछे जा सकेंगे । प्रश्नपत्रों को प्राथमिक कक्षाओं में अध्यापन के स्तर को ध्यान में रखते हुए कक्षा 12 तक के स्तर से तैयार किया जाएगा।

4. गणित

गणित में पूछे जाने वाले प्रश्नों का उद्देश्य इस विषय के सिद्धांतों, समस्याओं एवं इनकी शिक्षाशास्त्रीय समझ की जाँच करना होगा। ये प्रश्न कक्षा 1 से 5 तक के पाठ्यक्रम पर आधारित होंगे। विषय संबंधी विभिन्न पाठ्यवस्तुओं को बच्चों तक किस प्रकार सफलतापूर्वक पहुँचाया जाए और विभिन्न परिस्थितियों में कक्षागत शिक्षण प्रक्रियाओं की जानकारी की समझ आधारित प्रश्न पूछे जा सकेंगे ।

5. पर्यावरण अध्ययन

पर्यावरण अध्ययन विषय में पूछे जाने वाले प्रश्नों का उद्देश्य इस विषय के सिद्धांतों, समस्याओं एवं इनकी शिक्षाशास्त्रीय समझ की जाँच करना होगा। ये प्रश्न कक्षा 1 से 5 तक के पाठ्यक्रम पर आधारित होंगे परंतु उनसे जुड़े कक्षा 12 वीं तक के स्तर के प्रश्न पूछे जा सकेंगे। इस प्रश्नपत्र के माध्यम से शिक्षकों के अपने आसपास के वातावरण की जानकारी, उनके माध्यम से बच्चों में विभिन्न ज्वलंत मुद्दों पर समझ एवं अनुप्रयोग की जानकारी देने के कौशल एवं अपने आसपास के पर्यावरण में उपलब्ध विभिन्न संसाधनों का अपने सूझ के साथ बेहतर उपयोग कर पाने के कौशलों की जाँच की जा सकेगी।

द्वितीय पेपर (कक्षा छः से आठ तक अध्यापन हेतु)

1. बाल विकास एवं शिक्षाशास्त्र

इस विषय से संबंधित प्रश्न 11 से 14 आयु वर्ग के बच्चों के शैक्षिक मनोविज्ञान और उनके सीखने एवं सिखाने की प्रक्रिया आदि की जानकारी पर आधारित होंगे। इस विषय की तैयारी करते समय बच्चों की व्यक्तिगत भिन्नताओं के बारे में समझ और उनकी आवश्यकताओं के आधार पर शिक्षण–अधिगम प्रक्रियाओं का निर्धारण कर पाना, कक्षा में सीखने की प्रक्रिया को सफल बनाने हेतु एक बेहतर सुविधादाता के रूप में शिक्षक की भूमिका और विभिन्न प्रकार

के कक्षागत अंतःक्रियाओं की जानकारी एवं आधुनिक शिक्षण प्रविधियों, तकनीकों से संबंधित प्रश्न पूछे जाएंगे ।

2. भाषा – 1 (हिन्दी)

इस प्रश्नपत्र के माध्यम से शिक्षकों की भाषाई दक्षता, समझ एवं संप्रेषण कौशल के साथ–साथ दैनिक जीवन में भाषा के उपयोग का परीक्षण किया जा सकेगा । विभिन्न विषयों के अध्यापन में उस भाषा की मूलभूत जानकारी होना आवश्यक है जिसको पढ़ाने के माध्यम के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा है । इस दृष्टिकोण से इस विषय को अनिवार्य विषय के रूप में इस परीक्षा में रखा गया है ।

3. भाषा – 2 (अंग्रेजी)

इस प्रश्नपत्र के माध्यम से शिक्षकों के अंग्रेजी में भाषाई कौशल, समझ एवं संप्रेषण कौशल से संबंधित जानकारियों पर आधारित प्रश्न पूछे जा सकेंगे । प्रश्नपत्रों को उच्च प्राथमिक कक्षाओं में अध्यापन के स्तर को ध्यान में रखते हुए कक्षा 12 तक के स्तर से तैयार किया जाएगा ।

अन्य विषय

4 विज्ञान एवं गणित

विज्ञान एवं गणित में पूछे जाने वाले प्रश्नों का उद्देश्य इस विषय के सिद्धांतों, समस्याओं एवं इनकी शिक्षाशास्त्रीय समझ की जाँच करना होगा । ये प्रश्न कक्षा 6 से 8 तक के पाठ्यक्रम पर आधारित होंगे परंतु इनसे जुड़े स्नातक स्तर तक की सामग्री की जाँच भी इस प्रश्नपत्र के माध्यम से की जा सकेगी । विषय संबंधी विभिन्न पाठ्यवस्तुओं को बच्चों तक किस प्रकार सफलतापूर्वक पहुँचाया जाए और विभिन्न परिस्थितियों में कक्षागत शिक्षण प्रक्रियाओं की जानकारी की समझ आधारित प्रश्न पूछे जा सकेंगे।

5. सामाजिक अध्ययन

सामाजिक अध्ययन विषय में पूछे जाने वाले प्रश्नों का उद्देश्य इस विषय के सिद्धांतों, समस्याओं एवं इनकी शिक्षाशास्त्रीय समझ की जाँच करना होगा । ये प्रश्न कक्षा 6 से 8 तक के पाठ्यक्रम पर आधारित होंगे परंतु उनसे जुड़े स्नातक स्तर के प्रश्न पूछे जा सकेंगे। इस प्रश्नपत्र के माध्यम से शिक्षकों के अपने आसपास के वातावरण की जानकारी, उनके माध्यम से बच्चों में विभिन्न ज्वलंत मुद्दों पर समझ एवं अनुप्रयोग की जानकारी देने के कौशल एवं अपने आसपास के पर्यावरण में उपलब्ध विभिन्न संसाधनों का अपनी सूझ के साथ बेहतर उपयोग कर पाने के कौशलों की जाँच की जा सकेगी।

Chhattisgarh Teacher Eligibility Test Instructions -2016

Section –A

1. Background:

In accordance with the provisions of sub-section (1) of section 23 of the Right of Children to Free and Compulsory Education (RTE) Act, 2009, the National Council for Teacher Education (NCTE) has declared it essential to pass the Teacher Eligibility Test along with academic and professional qualifications for a person to be eligible for appointment as a teacher in class I to VIII. Based on this, the state is going to conduct Chhattisgarh Teacher Eligibility Test (CGTET) for the third time.

2. Provisions for Teacher Eligibility Test:

i. This exam will only be a criterion to qualify for the appointment as a teacher. It should not be considered as an appointment order for the post of teachers.

ii. This will be a compulsory criterion for recruitment of teachers in all those schools which are mentioned in clause 2 (n) of Right to Education Act, 2009.

iii. Separate exams will be conducted for Primary and Upper Primary level.

iv. Candidates should secure at least 60% marks to qualify the exam.

v. In the Teacher Eligibility Test, Schedule Tribe, Schedule Caste, Other Backward Caste (non-creamy layer) and persons with special needs will require at least 50% marks to qualify the exam as per the prevalent state government examination rules. Candidates belonging to all the categories with special needs will be eligible for relaxation in the fees for application form and examination fees.

   [Chhattishgarh Government, School Education Department Order No. 14-95/2011/30-3 dated 14/12/2011]

vi. The marks obtained in this examination may be used as weightage while the recruitment of teachers. Decision regarding the weightage will be taken by the recruiting authority.

vii. Once the candidate qualifies in this examination, the validity will extend for seven years.

viii. The qualified candidate may appear again in the next examination to improve upon the marks.

ix. Candidates who obtain minimum required marks for eligibility, will be awarded a TET Certificate which has to be produced while recruitment. All other candidates will be given the mark sheet only.

3. Eligibility for appearing in Teacher Eligibility Test:

(i) Candidates have to appear in two different examinations for eligibility for teaching at Primary and Upper Primary level. Minimum qualifications for these examinations are as follows:

(1) For teaching in classes one to five-

(a) Senior Secondary (or its equivalent) with at least 50% marks and passed or appearing in final year of 2-year Diploma in Elementary Education (by whatever name known)

Or

Senior Secondary (or its equivalent) with at least 45 % marks and passed or appearing in final year of two- year Diploma in Elementary Education (by whatever name known), in accordance with the NCTE (Recognition Norms and Procedure), Regulation 2002

Or

Senior Secondary (or its equivalent) with at least 50 % marks and passed or appearing in final year of four- year Bachelor of Elementary Education (B.El.Ed.)

Or

Senior Secondary (or its equivalent) with at least 50 % marks and passed or appearing in final year of two- year Diploma in Education (Special Education)

Or

Graduation and passed or appearing in final year of two-year Diploma in Elementary Education (by whatever name known)

(2) For teaching in classes six to eight

(a) Graduation and passed or appearing in final year of two- year Diploma in Elementary Education (by whatever name known)

Or

Graduation with at least 50% marks and a one-year Bachelor in Education (B.Ed.)

Or

Graduation with at least 45% marks and one year Bachelor in Education (B.Ed.) in accordance with the NCTE (Recognition Norms and Procedure), Regulations issued from time to time in this regard.

Or

Senior Secondary or its equivalent with at least 50 % marks and passed or appearing in final year of four- year Bachelor of Elementary Education (B.El.Ed.)

Or

Senior Secondary (or its equivalent) with at least 50 % marks and passed or appearing in final year of four-year B.A./B.Sc.Ed. or B.A. Ed./ B.Sc. Ed.

Or

Graduation with at least 50% marks and a one year B.Ed. (Special Education)

Note .

(a) Relaxation of 5% in the qualifying marks in minimum Educational Qualification for eligibilaty shall be permitted to the candidates belonging to reserved categories, such as SC/ST/OBC/Differently abled.

(b) Diploma/Degree Course in Teacher Education: For the purposes of this Notification, only a Diploma/Degree course in teacher education recognized by the National Council for Teacher Education (NCTE) shall be considered.

However, in case of Diploma in Education (Special Education) and or B.ED (Special Education) only a course recognized by the Rehabilitation Council of India (RCI) only shall be considered.

(c) Training to be undergone: A person with D.Ed (Special Education) or B.Ed. (Special Education) shall have to undergo, a six-month Special Programme in Elementary Education recognized by NCTE after the appointment

(d) The minimum qualifications referred above apply to teachers of Languages, Social Studies/Social Science, Mathematics, Science etc.In respect of teachers for Physical Education, the minimum qualification norms refered to in NCTE Regulation, dated 3rd November, 2001 (as amended from time to time) shall be applicable. For teachers of Art Education, Craft Education, Home Science, Work Education, etc. the existing eligibility norms prescribed by the State Government and other school managements shall be applicable till NCTE lays down the minimum qualifications in that respect .

(e) A person who is pursuing any of the teacher education courses (recognized by the NCTE or the RCI, as the case may be) specified in the NCTE Notification dated 29th July, 2011 shall be eligible for appearing in the CGTET.

(f) Candidates who do not have theabove qualifications can not appear in CGTET.

(g) The candidates should satisfy his/her eligibility before applying and shall be personally responsible in case he/she is not eligible to apply as per the given eligibility criteria. It is to be noted that if a candidate has been allowed to appear in the ChhattishgarhTeacher Eligibility Test it does not imply that the candidate"s eligibility has been verified. It does not vest any right with the candidate for appointment. The eligibility shall be finally verified, by the concerned recruiting agency / appointing authority.

Section –B

(Structure and Content of Chhattishgarh Teacher Eligibility Test)

1. Questions will be Multiple Choice Questions (MCQs), with four alternatives out of which one answer will be corect.
2. Each paper will be of two and a half hour duration and a total of 150 questions will be asked. Each question will be of one mark. There will be no negative marking on wrong answers.
3. There will be two papers of the Test. Candidates qualifying the first paper will be eligible for teaching in classes one to five. In the same way, candidates qualifying the second paper will be eligible to teach in classes 6 to 8^{th}.

   Note –A person who intents to be a teacher for both levels (class I to V and class VI to VIII) will have to appear in both the papers (Paper I and Paper II)
4. All the questions will be asked in two languages (Hindi and English).
5. First language will be Hindi and the second language will be English.
6. Subjects and marks for both the papers are as follows:

First Paper (For Classes I to V) Primary stage

Duration of Examination -2:30 hours

Structure and content (All Compulsory)

1. Child Development and Pedagogy	**30** Multiple choice questions	**30** marks
2. Language -1 (Hindi)	**30** Multiple choice questions	**30** marks
3. Language -2 (English)	**30** Multiple choice questions	**30** marks
4. Math	**30** Multiple choice questions	**30** marks
5. Environmental Education	**30** Multiple choice questions	**30** marks
Total -	**150 Multiple choice questions**	**150 marks**

Second Paper (For Classes VI to VIII) Upper Primary stage

Duration of Examination - 2:30 hours

Structure and content (All Compulsory)

1. Child Development and Pedagogy (Compulsory)	Multiple choice questions	**30** marks
2. Language -1 (Hindi)	**30** Multiple choice questions	**30** marks
3. Language -2 (English)	**30** Multiple choice questions	**30** marks

Subject-based Exam (Any one from below)

4. Maths and Science (For all Maths and Science Teachers)	6**0** Multiple choice questions	6**0** marks
5. Social Science teachers (For all Social Science Teachers)	6**0** Multiple choice questions	6**0** marks
*For Any other subject teachers	Either 4 or 5	
Total 150	**Multiple choice questions**	**150 marks**

Nature and level of question papers

First Paper (For teaching in classes one to five)

1. Child Development and Pedagogy

Questions in this paper will be based on the Education Psychology and teaching-learning processes of children belonging to 11 to 14 age group. While preparing for this paper, one has to go through the questions on the understanding individual differences of children and deciding the appropriate teaching-learning processes, role of teacher as a facilitator for the success of learning processes in classrooms, knowledge about different types of classroom interactions, modern teaching methods/ techniques etc.

2. Language – 1 (Hindi)

This paper will provide an opportunity to test the language skills of teachers, their understanding, communication skills along with the use of language in their daily life. In order to teach different subjects, one must know the basics of the language which is the medium of instruction. Keeping this in mind, this paper is made compulsory in this exam.

3. Language – 2 (English)

Through this paper, the the language skills of teachers in English, their understanding, communication skills etc. may be focused. While constructing the question papers, for teaching at primary level, level of questions framed will be upto class 12^{th}.

4. Math

The objectives of the questions asked in this paper will be to test the principles, problems and understanding of the subject-specific pedagogy. Questions will be based on the curriculum of classes one to five. Questions asked will be related to how to ensure the successful transfer of learning and the understanding of the use of different methods in different classroom situations

5. Environment education

The objectives of various questions asked in this paper will be to test the basic principles, problems and understanding the pedagogy of this subject. These questions will based on the curriculum of classes one to five but the level may be of up to class 12^{th}. Through this paper, knowledge of their surroundings, their skills to develop the understanding of various current issues and their applicability and how to make better use of available resources will be tested.

Second Paper (For teaching in classes six to eight)

1. **Child Development and Pedagogy**

Questions in this paper will be based on the Education Psychology and teaching-learning processes of children belonging to 11 to 14 age group. While preparing for this paper, one has to go through the questions on the understanding individual differences of children and deciding the appropriate teaching-learning processes, role of teacher as a facilitator for the success of learning processes in classrooms, knowledge about different types of classroom interactions, modern teaching methods/ techniques etc.

2. **Language – 1 (Hindi)**

This paper will provide an opportunity to test the language skills of teachers, their understanding, communication skills along with the use of language in their daily life. In order to teach different subjects, one must know the basics of the language which is the medium of instruction. Keeping this in mind, this paper is made compulsory in this exam.

3. **Language – 2 (English)**

Through this Questions paper, the the language skills of teachers in English, their understanding, communication skills etc. may be focused. While constructing the question papers, for teaching at primary level, level of questions framed will be upto class 12th.

4. **Science and Math**

The objectives of the questions asked in this paper will be to test the principles, problems and understanding of the subject-specific pedagogy. Questions will be based on the curriculum of class six to eight but the content level will be upto the graduation level. Questions asked will be related to how to ensure the successful transfer of learning and the understanding of the use of different methods in different classroom situations

5.Social Studies

The objectives of various questions asked in this paper will be to test the basic principles, problems and understanding the pedagogy of this subject. These questions will based on the curriculum of class six to eight but the content level will be upto the graduation level. Through this paper, knowledge of their surroundings, their skills to develop the understanding of various current issues and their applicability and how to make better use of available resources will be tested.